राष्ट्रीय सहारा

लखनऊ। मंगलवार • 19 फरवरी • 2019

'शुगरकॉन' में उन्नत तकनीक से एथनॉल उत्पादन पर जोर

देश-विदेश के वैज्ञानिकों ने प्रस्तुत किए शोध पत्र

तीसरे दिन बच्चों ने दिखाया हुनर, विजयी प्रतियोगी पुरस्कृत

आलमबाग-लखनऊ (एसएनबी)। रायबरेली रोड स्थित भारतीय गन्ना अनसंधान संस्थान में चार दिवसीय इक्षु महोत्सव में विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने कई प्रतियोगिताओं में प्रतिभा का परिचय दिया। कई रंगों के कार्यक्रम में वाद-विवाद, गायन, आशुभाषण व पुष्पगुच्छ बनाने की प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। बच्चों ने विभिन्न विषयों जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, बाढ़, पिकनिक, ट्रांसपोर्ट, फल, डिनर, माता-पिता आदि पर मात्र एक मिनट में अपने विचार व ज्ञान को प्रस्तुत कर पंडाल में उपस्थित सभी का दिल जीत लिया। वाद-विवाद प्रतियोगिता तथा गन्ना चूसने की प्रतियोगिता में भी बच्चों का जोश अचंभित कर रहा था। प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

चीनी एवं संबद्ध उद्योगों के सतत विकास के लिए हरित प्रौद्योगिकी विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी-शुगरकॉन-2019 के तीसरे दिन सभी प्रतिभागियों ने प्रयोगशालाओं एवं शोध प्रक्षेत्रों का भ्रमण किया। संगोष्ठी में भाग ले रहे भारत व विदेशी वैज्ञानिकों ने शोध प्रस्तुत किए। इसमें गुड़ के मूल्य संवर्धित उत्पाद बनाने की आवश्यकता, रक्त वसा के नियमन, वजन घटाने एवं बढ़े यकृत को घटाने में गन्ने से बने सिरके के महत्व, गन्ने की खोई आधारित कागज उद्योग विकसित करने, अल्कोहल व इथेनोल का विभिन्न क्षेत्रों में प्रयोग बढ़ने के कारण बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए गन्ने के रस से दूसरी पीढ़ी की उन्नत प्रौद्योगिकी द्वारा इथेनॉल बनाने पर जोर दिया गया।

नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली/लखनऊ। मंगलवार, 19 फरवरी 2019

रहें स्वस्थ शुगरकॉन 2019 संगोष्ठी में हुई ग्रीन टेक्नॉलजी पर चर्चा

'वजन घटाने में गन्ने का सिरका कारगर'

वैज्ञानिक एके शाह ने विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया।

■ **एनबीटी, लखनऊ :** भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर) में चल रही अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी शुगरकॉन-2019 के तीसरे दिन सोमवार को गन्ने से संबंधित ग्रीन टेक्नॉलजी पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में शामिल हुए वांजी ग्वांजी इंस्टिट्यूट ऑफ शुगरकेन रिसर्च, चीन के निदेशक प्रफेसर यांग रू ली ने कहा कि गन्ने के प्रसंस्करण में मानव स्वास्थ्य के बारे में भी विचार करना चाहिए। साथ ही गन्ने से ऐसे उत्पाद बनाने चाहिए जो पूरी तरह मनुष्य को स्वस्थ रखें। इसमें गन्ने से बना सिरका और गुड़ अहम भूमिका निभा सकते हैं। गन्ने का सिरका रक्त वसा को नियंत्रित करता है। वहीं, वजन घटाने और बढ़े हुए लिवर को भी घटाने में काफी कारगर है। मधुमेह के रोगियों के लिए स्टीविया की पत्तियों का इस्तेमाल कर प्राकृतिक कैलोरी मुक्त उत्पाद भी बनाए जाएं। इसके अलावा संगोष्ठी में आए शोधार्थियों ने संस्थान की प्रयोगशालाओं और शोध प्रक्षेत्रों का दौरा किया।

इक्षु महोत्सव में बच्चों ने दिखाया हुनर : संस्थान में चल रहे इक्षु महोत्सव में सोमवार को अलग-अलग स्कूलों के 150 से अधिक बच्चों ने वाद-विवाद, गायन, आशुभाषण और गुलदस्ता बनाने की प्रतियोगिता में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। आशुभाषण प्रतियोगिता में बच्चों ने फेसबुक, वॉट्सअप, बाढ़, पिकनिक, ट्रांसपोर्ट, फल, डिनर, माता-पिता विषय पर मात्र एक मिनट में अपने विचार रखे। गन्ना चूसने की प्रतियोगिता में भी बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

प्रोस्टेट की बीमारी से बचाएगी नई दवा

■ **एनबीटी, लखनऊ :** पचास की उम्र के बाद पुरुषों को होने वाली प्रोस्टेट की बीमारी से बचाने के लिए सीएसआईआर सीडीआरआई ने न्यूट्रास्यूटिक उत्पाद विकसित किया है। यह उत्पाद औषधीय पौधे के फल से तैयार किया गया है। संस्थान के निदेशक प्रफेसर तपस कुमार कुंडू ने बताया कि उत्पाद के लाइसेंसिंग समझौते पर सोमवार को संस्थान के 68 वें स्थापना दिवस के मौके हस्ताक्षर किए गए। निदेशक प्रफेसर तपस कुमार कुंडू ने बताया कि प्रोस्टेट की बीमारी बढ़ती उम्र के पुरुषों में होने वाली सबसे आम बीमारी है, जिसमें प्रोस्टेट ग्रंथि बढ़ जाती।

CMYK

लखनऊ, 19 फरवरी 2019 दैनिक जागरण

लखनऊ : एसकेडी अकादमी के बच्चों ने गन्ना संस्थान द्वारा आयोजित 68वें स्थापना दिवस पर कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया। पेंटिंग में नौवीं कक्षा के महीप सिंह ने प्रथम व खुशी वर्मा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं सातवीं कक्षा की श्रेया चौरसिया ने प्रथम, सुप्रिया पाठक द्वितीय और तनिष्का ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अकादमी के निदेशक मनीष सिंह ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों की सराहना की। वि.

वार्षिकोत्सव मनाया

लखनऊ : टीडीएल इंटरनेशनल अकादमी की ओर से वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। भारतीय संस्कृति के विभिन्न रंगों, प्रांतों की वेशभूषा और झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन व राम गणेश जी ने बच्चों का उत्साह वर्धन किया। चेयरमैन अभिषेक यादव ने अपने विचार दिए। वि.

प्रतियोगिताओं में बच्चों ने दिखाया हुनर, हुए सम्मानित

जासं, लखनऊ : भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में चल रहे इक्षु महोत्सव में सोमवार को बच्चों ने अपना दम दिखाया। किसी ने पोस्टर बनाया तो किसी ने पुष्प गुच्छ प्रतियोगिता में हुनर दिखाया। यही नहीं बच्चों ने ऊंट व घोड़ा गाड़ी की सवारी का आनंद लिया।

चार दिवसीय इक्षु महोत्सव में सोमवार को विभिन्न स्कूलों के 150 से अधिक बच्चों ने कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया। मुख्य रूप से वाद-विवाद, गायन व पुष्पगुच्छ बनाने की प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता छात्रों के साथ अतिथि

बच्चों ने विभिन्न विषयों जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, पिकनिक, ट्रांसपोर्ट, फल, माता-पिता इत्यादि पर मात्र एक मिनट में अपने विचार व ज्ञान को प्रस्तुत कर सभी का दिल जीत लिया। संचालन कर रही डॉ. अनीता सावनानी ने बच्चों का उत्साह व जोश बढ़ाया। वहीं शुगरकॉन 2019 के तीसरे दिन सभी प्रतिभागियों ने आज संस्थान की प्रयोगशालाओं एवं शोध प्रक्षेत्रों का भ्रमण किया।

the pioneer
LUCKNOW | TUESDAY | FEBRUARY 19, 2019

CITYBRIEFS

HOLIDAY

District Magistrate Kaushal Raj Sharma on Monday announced public holiday on February 19 (Tuesday) on account of Ravidas Jayanti and Magh Purnima.

SUGARCON-2019

On the third day of international conference 'SUGARCON-2019' on Green Technologies for Sustainable Development of Sugar and Integrated Industries at Indian Institute Sugarcane Research (IISR), many eminent scientists of India and abroad presented their research findings. In a session on sugarcane processing and value addition, the need to manufacture value-added products of jaggery was highlighted for proper health and livelihood security. The importance of sugarcane vinegar was highlighted for regulating blood lipid, reducing weight and improving biological activities of oxidative stress. The need for further development of bagasse-based paper industry was felt for more economic utilisation of bagasse. Scientists said that potential for post-harvest and processing of stevia leaves as a natural product should enhance the acceptance of stevioside as natural calorie free sweetener, especially suitable for use in diabetes and weight loss drinks and foods.